# Isa

## Chapter 25

Bengali Interlinear

Reference: Bengali Bible

| פֶּלֶא | עָשִׂיתָ | כִּי | שִׁמְךָ | אוֹדֶה | אֲרוֹמִמְךָ | אַתָּה | אֱלֹהַי | יְהוָה | 1 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| আশ্চর্য | করেছেন | কারণ | আপনার-নাম | প্রশংসা-করব | উন্নত-করব-আপনাকে | আপনি | আমার-ঈশ্বর | যিহোবা | |
| H6382 | | | H8034 | H3034 | | | H0430 | H3068 | |

| אֹמֶן׃ | אֱמוּנָה | מֵרָחוֹק | עֵצוֹת |
|---|---|---|---|
| সত্য | বিশ্বস্ততা | দূর-থেকে | পরিকল্পনাগুলো |
| H0544 | H0530 | H7350 | H6098 |

> প্রভু, আপনিই আমার ঈশ্বর| আপনাকে আমি সম্মান করি এবং আপনার নামের প্রশংসা করি| আপনি বিস্ময় সৃষ্টি করেছেন| বহুদিন আগে আপনি যা যা বলেছিলেন তা বর্ণে বর্ণে সত্যে পরিণত হয়েছে| আপনি যা যা ঘটার কথা বলেছিলেন ঠিক তাই তাই ঘটেছে|

| מֵעִיר | זָרִים | אַרְמוֹן | לְמַפֵּלָה | בְּצוּרָה | קִרְיָה | לַגָּל | מֵעִיר | שַׂמְתָּ | כִּי | 2 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| শহর-থেকে | বিদেশীদের-এর | প্রাসাদ | ধ্বংসস্তূপে | দৃঢ় | নগর | ধ্বংসস্তূপে | শহর-থেকে | করেছেন | কারণ | |
| | | H0759 | | H1219 | H7151 | H1530 | | | | |

| יִבָּנֶה׃ | לֹא | לְעוֹלָם |
|---|---|---|
| নির্মিত-হবে | না | চিরকালে |
| H1129 | H3808 | H5769 |

> আপনি শহর ধ্বংস করেছেন| যে শহর ছিল শক্তিশালী প্রাচীর দিয়ে ঘেরা তা এখন ধ্বংসস্তূপ মাত্র| বিদেশী প্রাসাদ সব ধ্বংস হয়ে গিয়েছে| তা আর কোন দিনও নির্মাণ করা যাবে না|

| עָרִיצִים | גּוֹיִם | קִרְיַת | עָזִּים | עַם־ | יְכַבְּדוּךָ | כֵּן | עַל־ | 3 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ভয়ংকরদের | জাতিদের-এর | নগর | শক্তিশালী | জাতি- | সম্মান-করবে-আপনাকে | কারণে | এজন্য- | |
| H6184 | | H7151 | H5794 | | H3513 | | | |

| יִירָאוּךָ׃ |
|---|
| ভয়-করবে-আপনাকে |
| H3372 |

> শক্তিমান দেশগুলি আপনাকে শ্রদ্ধা করবে, সম্মান জানাবে| শক্তিশালী শহরের ক্ষমতাবান লোকরা আপনাকে ভয় পাবে এবং সম্মান করবে|

| צֵל | מִזֶּרֶם | מַחְסֶה | לוֹ | בַּצַּר־ | לָאֶבְיוֹן | מָעוֹז | לַדָּל | מָעוֹז | הָיִיתָ | כִּי־ | 4 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ছায়া | ঝড়-থেকে | আশ্রয় | তার | সঙ্কটে- | অভাবী-এর-জন্য | দুর্গ | দরিদ্র-এর-জন্য | দুর্গ | ছিলেন | কারণ- | |
| H6738 | H2230 | H4268 | | | H0034 | H4581 | H1800 | H4581 | H1961 | | |

| קִיר׃ | כְּזֶרֶם | עָרִיצִים | רוּחַ | כִּי | מֵחֹרֶב |
|---|---|---|---|---|---|
| দেয়ালের | যেমন-ঝড় | ভয়ংকরদের-এর | আত্মা | কারণ | তাপ-থেকে |
| H7023 | H2230 | H6184 | H7307 | | |

> প্রভু আপনিই দরিদ্রদের কাছে এক নিরাপদ আশ্রয়| এদের পরাজিত করতে প্রভুত সমস্যা শুরু হবে| কিন্তু আপনি তাদের রক্ষা করবেন| প্রভু, আপনি লোকদের কাছে বন্যা ও দাবদাহ থেকে রক্ষা পাবার মতো সুরক্ষিত গৃহ| ভয়ঙ্কর ঝড় বৃষ্টির মতো সংকটসমূহ আসবে এবং দেওয়ালে ধাক্কা মারবে, কিন্তু গৃহের ভেতরের লোকরা আঘাত পাবে না|

| זָמִיר | עָב | בְּצֵל | חֹרֶב | תַּכְנִיעַ | זָרִים | שְׁאוֹן | בְּצָיוֹן | כְּחֹרֶב | 5 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| গান | মেঘ-এর | ছায়ায়- | তাপ | নম্র-করবেন | বিদেশীদের-এর | কোলাহল | মরুভূমিতে | যেমন-তাপ | |
| H2158 | H5645 | H6738 | | H3665 | | H7588 | H6724 | | |

| פ | יַעֲנֶה׃ | עָרִיצִים |
|---|---|---|
| — | নীচু-হবে | ভয়ংকরদের-এর |
| | | H6184 |

> শত্রুরা এসে চিৎকার চেঁচামেচি গোলমাল শুরু করবে| ভয়ঙ্কর শত্রুরা আরও ভয়ঙ্কর হয়ে উঠে আহবান জানাবে| কিন্তু ঈশ্বর আপনিই তাদের থামিয়ে দেবেন| যদিও গ্রীষ্মে মরুভূমিতে কয়েকটি উদ্ভিদ জন্মায়, পরিশেষে তারা শুকিয়ে যাবে এবং ভূমিতে পতিত হবে| একই ভাবে, আপনিও আপনার শত্রুদের পরাজিত করবেন এবং তাদের হাঁটু গেড়ে বসতে বাধ্য করবেন| ঘন মেঘ যেমন গ্রীষ্মের প্রখর উত্তাপকে আটকে

দেয় ঠিক সেই ভাবে আপনিও শত্রুদের ভয়ঙ্কর চিৎকার থামিয়ে দেবেন|

6

| | | |
|---|---|---|
| וְעָשָׂה | ও-করবেন | |
| יְהוָה | যিহোবা | H3068 |
| צְבָאוֹת | সৈন্যগণ-এর | |
| לְכָל־ | সকল-জন্য- | H3605 |
| הָעַמִּים | -জাতিগণের | |
| בָּהָר | পর্বতে- | H2022 |
| הַזֶּה | এই | H2088 |
| מִשְׁתֵּה | ভোজ | H4960 |
| שְׁמָנִים | চর্বি-এর | H8081 |
| מִשְׁתֵּה | ভোজ | H4960 |
| שְׁמָרִים | দ্রাক্ষারস-এর | H8105 |
| שְׁמָנִים | চর্বি | H8081 |
| מְמֻחָיִם | মজ্জা-ভরা | |
| שְׁמָרִים | দ্রাক্ষারস | H8105 |
| מְזֻקָּקִים׃ | পরিশোধিত | H2212 |

সেই সময়, প্রভু সর্বশক্তিমান এই পর্বতের সমস্ত জাতিকে এক ভুরিভোজে আপ্যায়িত করবেন| সেই ভোজে সেরা খাদ্য ও পানীয় থাকবে| মাংস হবে নরম ও সুস্বাদু|

7

| | | |
|---|---|---|
| וּבִלַּע | ও-গ্রাস-করবেন | H1104 |
| בָּהָר | পর্বতে- | H2022 |
| הַזֶּה | এই | H2088 |
| פְּנֵי־ | মুখ- | H6440 |
| הַלּוֹט | -আবরণ | H3875 |
| הַלּוֹט | -আবরণ-এর | H3874 |
| עַל־ | উপরে- | |
| כָּל־ | সকল- | H3605 |
| הָעַמִּים | -জাতিগণের | |
| וְהַמַּסֵּכָה | ও-আচ্ছাদন | |
| הַנְּסוּכָה | -ঢাকা | H5259 |
| עַל־ | উপরে- | |
| כָּל־ | সকল- | H3605 |
| הַגּוֹיִם׃ | -জাতিদের | |

কিন্তু এখন, সমস্ত জাতি ও লোকদের একটি ঘোমটা আচ্ছাদিত করছে| তিনি এই ঘোমটা নষ্ট করে দেবেন|

8

| | | |
|---|---|---|
| בִּלַּע | গ্রাস-করবেন | H1104 |
| הַמָּוֶת | -মৃত্যুকে | H4194 |
| לָנֶצַח | চিরকালের-জন্য | H5331 |
| וּמָחָה | ও-মুছে-দেবেন | |
| אֲדֹנָי | প্রভু | H0136 |
| יְהוִה | যিহোবা | H3069 |
| דִּמְעָה | অশ্রু | H1832 |
| מֵעַל | থেকে- | |
| כָּל־ | সকল- | H3605 |
| פָּנִים | মুখ | H6440 |
| וְחֶרְפַּת | ও-নিন্দা | H2781 |
| עַמּוֹ | তাঁর-প্রজার | |
| יָסִיר | দূর-করবেন | H5493 |
| מֵעַל | থেকে- | |
| כָּל־ | সমস্ত- | H3605 |
| הָאָרֶץ | -পৃথিবী-এর | H0776 |
| כִּי | কারণ | |
| יְהוָה | যিহোবা | H3068 |
| דִּבֵּר׃ | বলেছেন | H1696 |
| פ | — | |

কিন্তু মৃত্যু চিরতরে ধ্বংসপ্রাপ্ত হবে| আমার সদাপ্রভু প্রত্যেকটি মুখ থেকে প্রতিটি অশ্রুকণা মুছিয়ে দেবেন| অতীতে তাঁর সমস্ত অনুরাগী ভক্তরা ছিল বিষণ্ন| কিন্তু ঈশ্বর পৃথিবী থেকে মুছে দেবেন বিষণ্নতা| এ সমস্তই ঘটবে কারণ প্রভু এসব ঘটনার কথাই বলেছেন|

9

| | | |
|---|---|---|
| וְאָמַר | ও-বলা-হবে | H0559 |
| בַּיּוֹם | দিনে- | H3117 |
| הַהוּא | সেই | H1931 |
| הִנֵּה | দেখ | H2009 |
| אֱלֹהֵינוּ | আমাদের-ঈশ্বর | H0430 |
| זֶה | এই | H2088 |
| קִוִּינוּ | অপেক্ষা-করেছিলাম | |
| לוֹ | তাঁর-জন্য | |
| וְיוֹשִׁיעֵנוּ | ও-রক্ষা-করবেন-আমাদের | H3467 |
| זֶה | এই | H2088 |
| יְהוָה | যিহোবা | H3068 |
| קִוִּינוּ | অপেক্ষা-করেছিলাম | |
| לוֹ | তাঁর-জন্য | |
| נָגִילָה | আনন্দিত-হই | H1523 |
| וְנִשְׂמְחָה | ও-উল্লাস-করি | H8055 |
| בִּישׁוּעָתוֹ׃ | তাঁর-পরিত্রাণে | H3444 |

সে সময় লোকরা বলবে, "এই তো আমাদের ঈশ্বর| তিনিই সেই যার জন্য আমরা প্রতীক্ষারত| তিনি আমাদের রক্ষা করতে এসেছেন| আমরা আমাদের প্রভুর প্রতীক্ষায় আছি| তাই তিনি আমাদের রক্ষা করার সময় আমরা সুখী এবং আনন্দিত হব|"

10

| | | |
|---|---|---|
| כִּי־ | কারণ- | |
| תָנוּחַ | বিশ্রাম-করবে | H5117 |
| יַד־ | হাত- | H3027 |
| יְהוָה | যিহোবা-এর | H3068 |
| בָּהָר | পর্বতে- | H2022 |
| הַזֶּה | এই | H2088 |
| וְנָדוֹשׁ | ও-মাড়াই-হবে | H1758 |
| מוֹאָב | মোয়াব | H4124 |
| תַּחְתָּיו | তার-নীচে | H8478 |
| כְּהִדּוֹשׁ | যেমন-মাড়াই | H1758 |
| מַתְבֵּן | খড় | H4963 |
| [במי] | — | H4325 |
| (בְּמוֹ) | মধ্যে- | H1119 |
| מַדְמֵנָה׃ | সারের | H4087 |

এই পর্বতে প্রভুর শক্তিবিরাজমান| তাই মোয়াব পরাজিত হবে| আবর্জনার স্তূপে খড়ের ওপর দিয়ে হেঁটে যাবার মতো প্রভু শত্রুদের পদদলিত করবেন|

11

| וּפֵרַשׂ | יָדָיו | בְּקִרְבּוֹ | כַּאֲשֶׁר | יְפָרֵשׂ | הַשֹּׂחֶה | לִשְׂחוֹת | וְהִשְׁפִּיל |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| ও-বিস্তার-করবে | তার-হাতগুলো | তার-মধ্যে | যেমন | বিস্তার-করে | -সাঁতারু | সাঁতার-কাটতে | ও-নীচু-করবেন |
| H6566 | H3027 | H7130 | | H6566 | H7811 | H7811 | H8213 |

| גַּאֲוָתוֹ | עִם | אָרְבּוֹת | יָדָיו׃ |
| --- | --- | --- | --- |
| তার-গর্ব | সাথে | চাতুর্য | তার-হাতের |
| H1346 | | H0698 | H3027 |

> সাঁতার কাটা মানুষের মতো প্রভু তাঁর বাহু প্রসারিত করে লোকে যেসব জিনিস নিয়ে গর্ব করে সেসব জিনিসকে একত্রিত করবেন। তিনি মানুষের তৈরী সুন্দর সুন্দর জিনিসগুলোকে দূরে ছুঁড়ে ফেলে দেবেন।

12

| וּמִבְצַר | מִשְׂגַּב | חוֹמֹתֶיךָ | הֵשַׁח | הִשְׁפִּיל | הִגִּיעַ | לָאָרֶץ | עַד־ | עָפָר׃ |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| ও-দুর্গ | উচ্চ | তোমার-প্রাচীরগুলো | নত-করবেন | নীচু-করবেন | নামিয়ে-আনবেন | মাটিতে | পর্যন্ত- | ধুলা |
| H4013 | | H2346 | H7817 | H8213 | H5060 | H0776 | H5704 | H6083 |

| ס |
| --- |
| — |

> প্রভু মানুষের লম্বা প্রাচীর ও নিরাপদ জায়গাগুলিকে ধ্বংস করে মাটির ধূলোয় মিশিয়ে দেবেন।